

एकीकृत बागवानी विकास मिशन योजना वर्ष 2014-15

बनपद मुवादावा

सफलता की कहानी

फलसल गांव - मिर्चे



मेरा नाम कुशल शर्मा सुपतान कि० रसूलपुर नंगली वि० मंडा जोर का निवासी हूँ  
मैं पहले देशी मिर्चे की खेती करता था जिससे पैसावाइ काफी कम होती थी  
उधर बके भाग के कर्मचारी श्री मंगोजी कुमर बने ली गीला रहते बतादा कि उद्यान विभाग  
द्वारा 80 मिर्चे का वक अनुदान पर पैसाकोरछ है। मैंने सोचकर कहा तब विभाग  
द्वारा मुझे 0.80 हेक्टेयर जमीन देते। 96 ग्राफ वक <sup>निम्न</sup> ~~उप~~ हुआ किसे मैंने कपन खेत में बोदा  
कीज का जमाव अच्छा था जो वक लेकर दोने के बाद मैंने 0.80 हेक्टेयर जमीन रोपाव किया।  
विभाग के कर्मचारी की देखरेख में मेरी फसल तीपा हुई फसल में मिर्चे के फल अधिक  
संख्या में तथा बड़े आकार के कौन से भाव बाजार में अच्छे मूल्य देते तथा पैसावा  
भी 100 से 120 रु के होते थे। मैं इस फसल लगाने 25.0 कुटल फल को फसल  
के 20% फिलों के भाव में बेच रहा हूँ संका मिर्चे लगाने से मेरी फसल बड़ी है और मेरे  
परिवार को रोजगार मिलते। विभाग द्वारा दी गई कर्मचारी से मैं सन्तुष्ट हूँ।  
तथा आशा करता हूँ इससे फसल उत्पादन और किसानों को अधिक लाभ प्राप्त हो सकेगा।

दिनांक 24.2015

कुशल शर्मा  
सुपतान नंगली  
कि० मंडा जोर